चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति नारी

विमलेन्दु भूषण द्विवेदी

नारी त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति होती है, जो दूसरों की प्रसन्नता के लिए अपने सुख एवं वैभव का परित्याग कर देती हैं और परित्याग की उन्हें मलाल नहीं बल्कि, इसमें वह खुशी प्राप्त करती है।

आधुनिक काल में विभिन्न संगठनों, आंदोलनों एवं अधिनियमों के द्वारा महिला सशक्तीकरण का प्रयास किया गया, लेकिन समस्याएँ आज भी कुछ परिवर्तित रूप में विद्यमान है। महिला लेखिका होने के नाते त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति भारतीय नारियों पर लेखनी चलाना मुद्गल के लिए लाजिमी है।